

बी एल गौड़...

30 जून 2014 को भारत प्रदेश के जनसभा अधिवेशन के एक सत्रों में बीएल गौड़ ने जन सभा में प्रवेश किया। भारतीय गीत की वादग्रस्त गीत व साथ श्रीमती सरस्वती देवी की गायत्री संगीत होने के माते बीच तब-प्यार मित्र-वैरा विभेद परिभाषा में बर्फी के मिलना है। प्रारंभिक शिक्षा गीत तथा विज्ञान में हुई। राजकाज स्कूल में 5 वर्षों के बाद दिल्ली में भारत लोकजी पास करने के बाद राजसभ कविता-दिल्ली विश्वविद्यालय में बी एल की एक शिक्षा प्राप्त की। उसके बाद भारतीय वेत में 33 वर्ष तक विभिन्न इंजीनियरिंग विभाग में सेवा करने के बाद सेवा निवृत्ति से 2 साल पहले ही नौकरियों में निवृत्ति लेकर अपना व्यापार शुरू किया। जो कम्पनी पीएचएस इंडिया लि के रूप में 1982 में शुरू हुई वह आज निर्माण के क्षेत्र में गौड़ग्रुप के नाम से सारे देश में जानी जाती है। गौड़जी कल्ले कल्ले-इलाहाबाद ज.प्र. से साहित्य-रचना व इंजीनियरिंग सेवा में विभिन्न प्राप्त किया। साथ ही-हिंदी, अंग्रेजी व इटैलियन।



प्रकाशित कृतियाँ- दस-जिनमें कविता संग्रह 1, मीडिया पर 2, कहानियों पर 1, हिंदी में तकनीकी ज्ञान पर 3, संघर्ष-विश्व में 2 सालों से संघर्षक- पाठिक समाचार पत्र "गौड़संग टाइम्स" अब तक अनेक भाषाओं से सम्मिलित, दूर दर्शन तथा अकादमिकी दिल्ली से अनेक बार कविताओं का प्रसारण।
वर्तमान में - अखीब-4 सदस्य - आंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद - भारत, अध्यापक गिरिधर अहिर, इंडियन सोल्यूट ऑफ अल्पाई, प्रेस कालम आका इंडिया
मानव सदस्य - हिंदी सलाहकार समिति, संस्कृती मंत्रालय भारत सरकार।
संपादक - पाठिक समाचार पत्र "गौड़संग टाइम्स"
निवास - 1 बालकल्या रोड, नई दिल्ली 110001

वह किताब...

"तंत्र के पंजों में लोकतंत्र" मीडिया पर मेरी तीसरी पुस्तक है। पत्रकारिता का धर्म निभाने हुए आज की दलगत और बीधट में फग खंडली राजनीति पर जो कुछ मैंने लिखते तीन साल में अपने संबद्धकों के माध्यम से लिखा है, उसी का संकलन है "तंत्र के पंजों में लोकतंत्र" कोई भी समाचार पत्र अपने देश की दैनिकीय घाटा का इतिहास होता है। पाठक का दायित्व होता है कि वह, राजनीतिक जुत्तों में न उलझकर, रसियों से प्रभावित हुए बिना और भीड़ों को धक्केसे हुए साथ की तब तक पहुँच कर लिखने की कोशिश करे और मैंने अपनी कलम से यही लिखने की कोशिश की है। मैं कोई छोटी पत्रकार नहीं हूँ, मैंने जो कुछ भी लिखा है वह समाचार पत्रों में प्रकाशित तथा राष्ट्रीय मीडिया से सबसे होने के बाद ही लिखा है। मेरा लिखना तभी सार्थक होगा जब आज इस किताब को पढ़ेंगे, मनन और चिंतन करने के बाद लिख करेगे। इसके माध्यम से आप उस लोगों तक भी पहुँच पायेंगे जो अपने को संकुल कर रहे हैं और आप दिव्य उनका संकुलविषय उस समय खतरों में पड़ जाते हैं जब किसी रंग विशेष की लड़की का रंग हो जाता है या उस रंग विशेष के किसी व्यक्ति की हत्या हो जाती है, या भारत सरकार बल्लों तक मुकदमा चलकर उस आवाजी को फौरी पर लटक देती है जो अपने हमले से देश के अनेक नागरिकों, सैनिकों, बच्चों और रिश्तों को मोत के धाट पार देता है। ऐसे आत्मविहीन लोग इस आकार वेत के बीतर अपनी आवाजी की मुहार लगाने लगते हैं। कोशिश की है कि मैंने तीन साल की राजनीतिक घटनाओं की कड़ी से कड़ी जोड़ने की। प्रतीक वही रहेगी अपनी कोशिशों की।


किताबवाले
 22/4735, प्रकाश चौप बिन्डिंग
 अंसाई रोड, हरियागंज
 नई दिल्ली-110 002
 वेबसाइट : www.kitabwale.com
 ईमेल : kitabwale@gmail.com

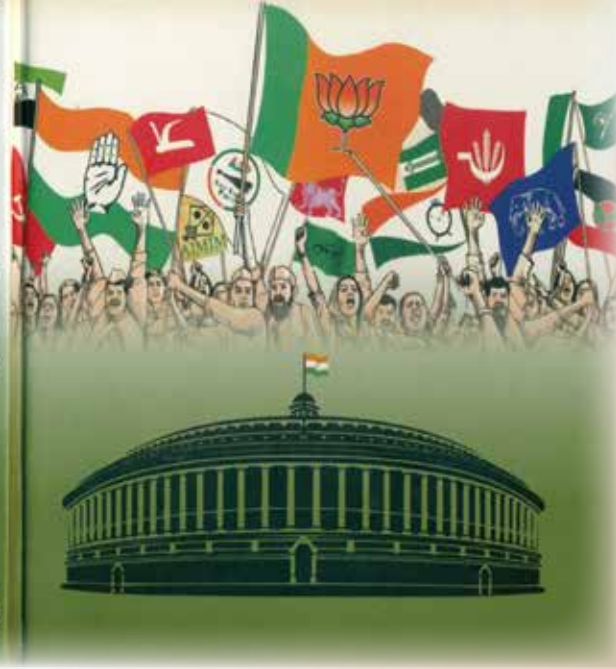
Price : ₹ 450.00
 ISBN : 978-93-85754-38-8


तंत्र के पंजों में लोकतंत्र

बी.एल. गौड़

तंत्र के पंजों में लोकतंत्र

बी.एल. गौड़



इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

कला निधि

श्री बी० एल० गौड़ की पुस्तक

तंत्र के पंजों में लोकतंत्र

के लोकार्पण एवं परिचर्चा में आपको सादर आमंत्रित करता है।

अध्यक्षता

श्री रामबहादुर राय

अध्यक्ष, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली

स्वागत एवं परिचय

डा० रमेश चन्द्र गौड़

विभागाध्यक्ष, कलानिधि

वक्तव्य

डॉ० श्रवण कुमार

संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय

श्री शेष नारायण सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

स्थान : कान्फ्रेंस हॉल, सी० वी० मैस० जनपथ, नई दिल्ली

दिनांक : 30 अगस्त, 2018 सायं 4:00 बजे

Nearest Metro Stations: Central Secretariat, Gate No. 2 & Janpath, Gate No. 1 & 4

website: www.ignca.nic.in

www.facebook.com/IGNCA; [Twitter:@IGNCAKD](https://twitter.com/IGNCAKD)

e-mail: gaur@ignca.nic.in; baleerenu@gmail.com

RSVP: **Dr. Ramesh C. Gaur**

Director (Lib. & Inf.) & HoD Kalanidhi, IGNCA

+91-11-23388333, 23385884



इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
INDIRA GANDHI NATIONAL CENTRE FOR THE ARTS